

स्याबत वि. (देश.) 1. साबुत, जो संपूर्ण इकाई के रूप में हो, समूचा, सारा 2. सबूत द्वारा सिद्ध किया हुआ, तथ्य, दृढ़, पक्का।

स्याम पुं. (तद्.) 1. वासुदेव, कृष्ण 2. दक्षिण-पूर्वी एशिया के एक देश कंबोडिया का प्राचीन नाम।

स्यामक पुं. (तद्.) अन्न।

स्यामकरण वि. (तद्.) काले कानों वाला, श्यामकर्ण।

स्यामता स्त्री. (तद्.) कालापन या साँवलापन, श्यामता।

स्याममई वि. (तद्.) कृष्ण रूप, श्याममयी, श्याम से एकीभूत।

स्यामल वि. (तद्.) श्यामवर्ण, श्यामल, साँवला उदा. गौरे नंद जसोदा गोरी, तू कत स्यामल गात-सूरसागर।

स्यामलता स्त्री. (तद्.) साँवलापन।

स्यामलिया पुं. (तद्.) वासुदेव, कृष्ण, साँवलिया।

स्यामा स्त्री. (तद्.) 1. श्यामा 2. राधिका, राधा 3. काली देवी 4. यमुना नदी।

स्यामि/स्यामी पुं. (तद्.) स्वामी।

स्यार पुं. (तद्.) शृंगाल, गीदड़, सियार।

स्यारकाँटा पुं. (तद्.) सत्यानाशी, स्वर्णक्षीरी।

स्यारनी स्त्री. (तद्.) शृंगाली, गीदड़ी।

स्यारपन पुं. (तद्.) सियार या गीदड़ का सा स्वभाव, शृंगालवृत्ति।

स्यारलाठी स्त्री. (देश.) अमलतास।

स्यारी स्त्री. (देश.) 1. जाड़े के दिन, शीतकाल 2. खरीफ फसल।

स्याल पुं. (तद्.) पत्नी का भाई, साला।

स्यालक पुं. (तद्.) संबंध के विचार से पत्नी का भाई, साला।

स्यालकाँटा पुं. (तद्.) स्यारकाँटा।

स्याला पुं. (देश.) बहुतायात, अधिकता, ज्यादाती।

स्यालिका स्त्री. (तद्.) पत्नी की छोटी बहन, साली।

स्यालिया पुं. (देश.) सियार, गीदड़, शृंगाल।

स्याली स्त्री. (तद्.) संबंध के विचार से पत्नी की बहन, साली।

स्यावाज पुं. (देश.) सावज, शिकार।

स्याह वि. (फा.) काला, कृष्ण वर्ण पुं. काले रंग का घोड़ा।

स्याह कलम पुं. (फा.) मुगल चित्रशैली के एक प्रकार के बिना रंग भरे रेखाचित्र जिनमें एक-एक बाल तक अलग-अलग दिखाया जाता है और होठों, आँखों और हथेलियों में नाममात्र की तथा बहुत हल्की रंगत रहती है line drawing

स्याह काँटा पुं. (फा.+तद्.) किंगरई नाम का एक कटीला पौधा।

स्याह गोश वि. (फा.) काले कान वाला, जिसके कान काले हो पुं. बन-बिलाव नामक जंगली-जंतु।

स्याह जबान पुं. (फा.) वह हाथी या घोड़ा, जिसकी जबान स्याह या काली हो (ऐसे जानवर 'ऐबी' समझे जाते हैं)।

स्याह जीरा पुं. (फा.+तद्.) काला जीरा।

स्याह तालू पुं. (फा.+तद्.) वह हाथी या घोड़ा, जिसकी जबान स्याह या काली हो ऐसे हाथी-घोड़े ऐबी समझे जाते हैं।

स्याह दिल वि. (फा.) दिल का काला, खोटा, दुष्ट।

स्याहपोश पुं. (फा.) वह व्यक्ति जिसने शोक या मातम मानने के उद्देश्य से काले वस्त्र पहने हों (मुसलमान)।

स्याह-भूरा वि. (फा.+तद्.) काला रंग मुहा. स्याह सफेद करना- जो चाहना सो करना।

स्याहा स्त्री. (फा.) 1. स्याह अर्थात् काले होने की अवस्था, गुण या भाव, कालापन, कालिमा 2. कालिख, कलौँछ 3. वह प्रसिद्ध रंगीन तरल अथवा कुछ गाढ़ा पदार्थ जो लिखने या कपड़े, कागज आदि छापने के काम में आता है, रोशनाई।